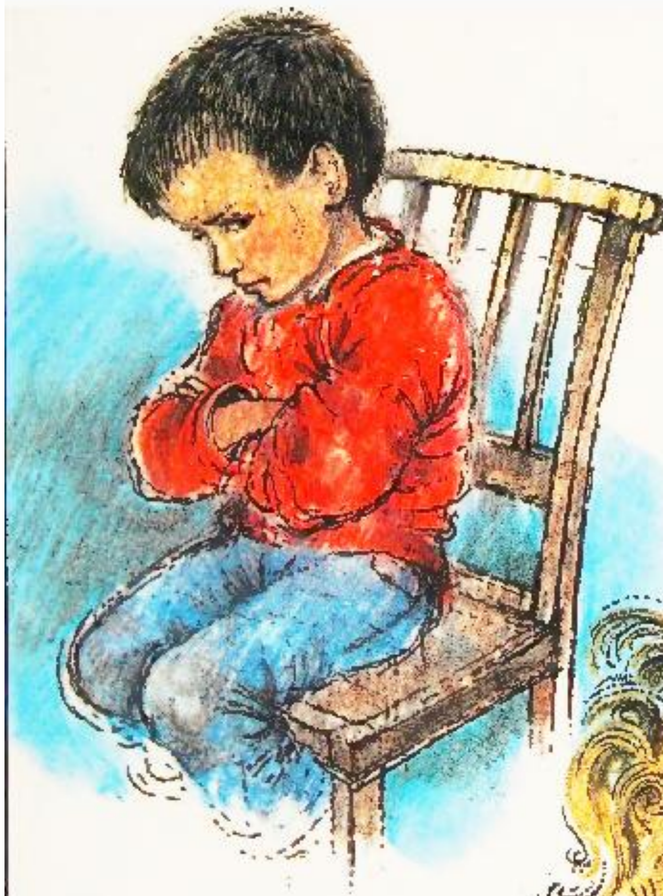
बेन के लिए कुत्ता





लेखक: जीन रिचर्डसन

चित्र: जोआना कैरी

हिंदी: आ रती जैन

बेन जानता था उसको कैसा कुत्ता चाहिए।
एक बड़ा कुत्ता जो हवा की तरह तेज दौड़ता हो।

तो सोचिए उसको कितनी निराशा हुई जब उसकी माँ उसके लिए टिंग-ए-लिंग जैसा कुत्ता ढूंढ़कर लाई, जो की रुई की तरह छोटा और गोल मटोल था।

लेकिन जो दिखता है वैसा होता नहीं है ,पढ़िए आगे बेन को पता चलता है की असली में क्या जरूरी है एक कुत्ता पालने के लिए।

बेन के लिए कुत्ता

ट्रॉयस के मित्र किरी के लिए

बेन के लिए कुत्ता



लेखक: जीन रिचर्डसन

चित्र: जोआना कैरी

हिंदी: आ रती जैन





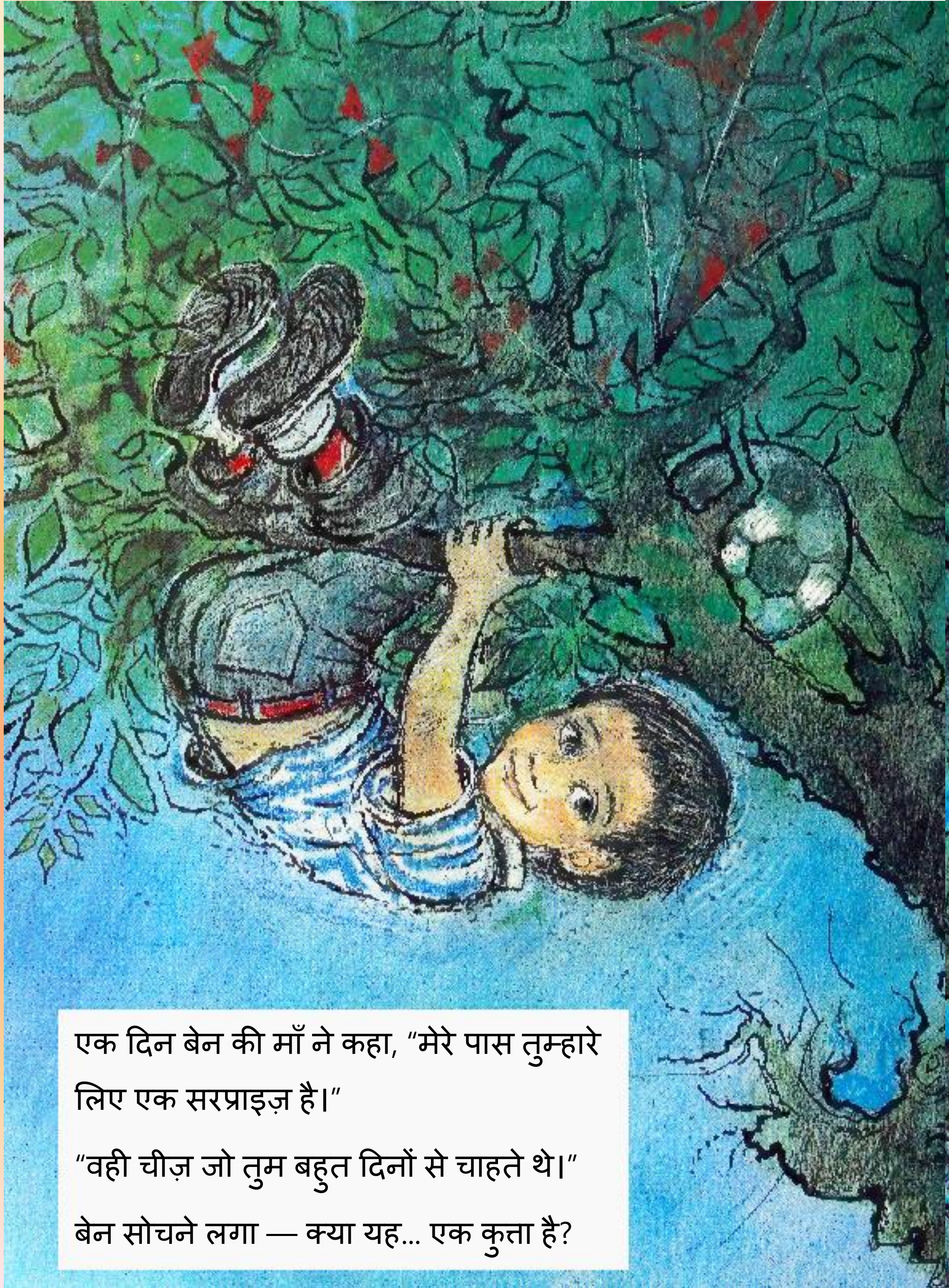
बेन को पता था कि उसे कैसा कुत्ता चाहिए।

उसे ऐसा बड़ा कुत्ता चाहिए था जो हवा की तरह दौड़ सके।

एक ऐसा कुत्ता जो लकड़ी लाकर दे सके
और शायद पापा का अखबार भी उठा लाए।

एक बड़ा कुत्ता जिससे वह खेल सके,
जो उसकी तरफ प्यार भरी नज़रों से देखे।

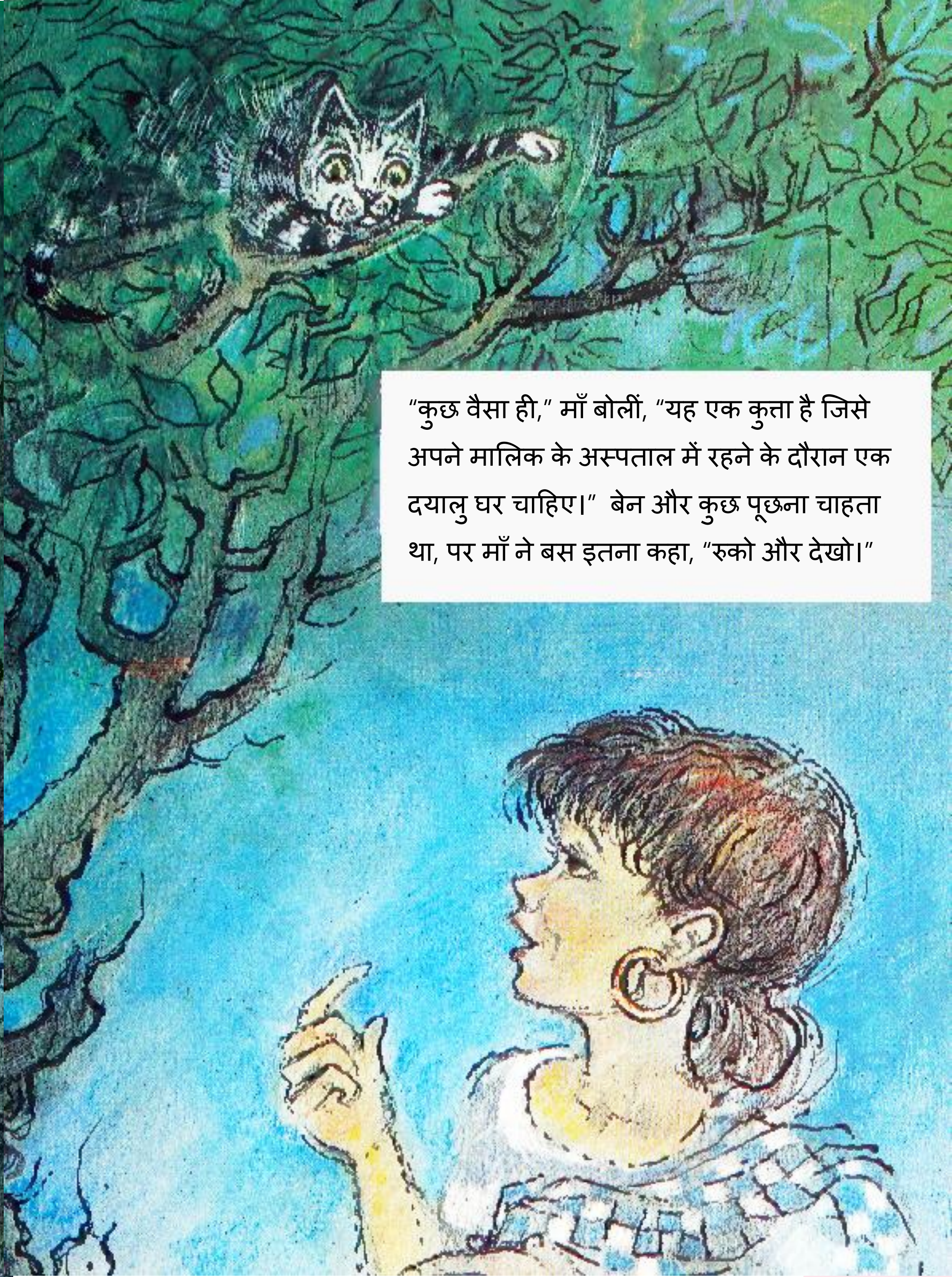
उसे यह भी पता था कि उसका नाम क्या रखेगा — शायद पेलर या प्रिंस!



एक दिन बेन की माँ ने कहा, “मेरे पास तुम्हारे लिए एक सरप्राइज़ है।”

“वही चीज़ जो तुम बहुत दिनों से चाहते थे।”

बेन सोचने लगा — क्या यह... एक कुत्ता है?



“कुछ वैसा ही,” माँ बोलीं, “यह एक कुत्ता है जिसे अपने मालिक के अस्पताल में रहने के दौरान एक दयालु घर चाहिए।” बेन और कुछ पूछना चाहता था, पर माँ ने बस इतना कहा, “रुको और देखो।”



मिसेज एनराइट छोटी, बूढ़ी और चिंतित सी थीं।

उन्होंने कहा, "तो तुम वही छोटे लड़के हो जो मेरे प्यारे की देखभाल करेगा?"

"तुम्हें उसका बहुत ध्यान रखना होगा क्योंकि वह बहुत नाज़ुक है।"

"मैं रखूँगा," बेन ने वादा किया, फिर वो उत्सुक होकर कुत्ते को देखने लगा।

मिसेज एनराइट ने एक गोल, झबरीले कुशन को सहलाया।

कुशन हिला!

"यह है प्रिंसेस टिंग-ए-लिंग," उन्होंने गर्व से कहा।





वह कोई असली कुत्ता नहीं लग रही थी —

बस बालों का एक गोला।

जिसका न कोई सिर न कोई पूछ!

अगर उसकी ठंडी नाक बेन के हाथ से न टकराती तो शायद वह पहचान भी न पाता कि उसका सिर कहाँ है और पूँछ कहाँ।

उसके छोटे-छोटे पैर थे और झाड़ू जैसी पूँछ।

उसकी आँखें उभरी हुई और सीना सी-साँ कर रहा था।

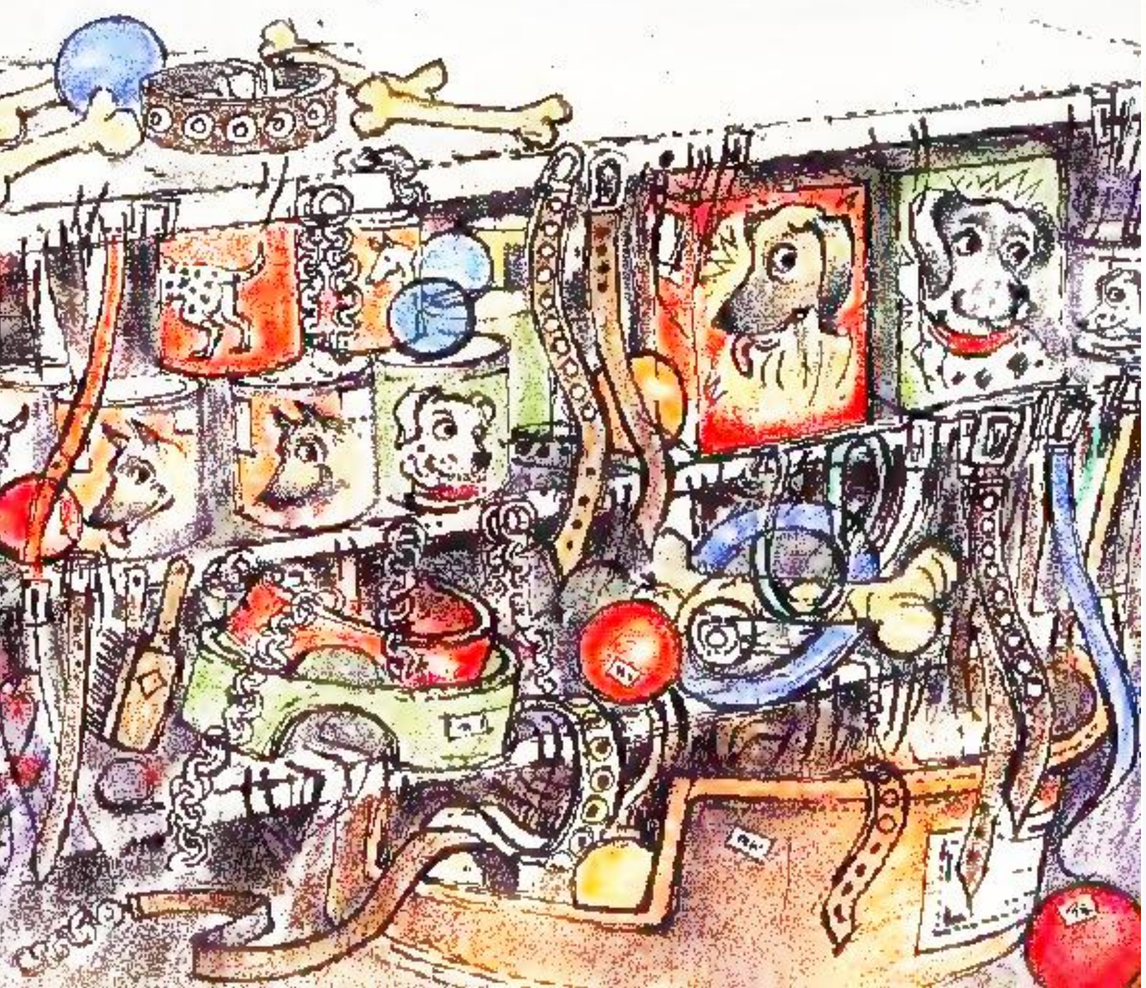
बेन को वह बिल्कुल पसंद नहीं आई।



“हमें टिंग-ए-लिंग के लिए खाना लेना होगा,” माँ ने कहा जब वे बाज़ार से गुज़र रहे थे।

बेन जानता था कि पालतू जानवरों वाला सेक्शन कहाँ है।

उसने तो अपने कुत्ते के लिए कॉलर और चेन खरीदने की योजना बनाई थी।





उसने डिब्बों पर लिखे नाम देखे — ‘चैम्पियन’, ‘टॉप डॉग’, ‘बेस्ट फ्रेंड’। सबके चित्रों में बड़े मज़बूत कुत्ते थे।

बेन ने टिंग-ए-लिंग के लिए दो डिब्बे ‘पुसी-वुसी’ के खरीदे।

पर टिंग-ए-लिंग ने कुछ भी नहीं खाया।

वह खेलना नहीं चाहती थी, न घूमने जाना, न बिल्ली को दौड़ाना।

वह बस अपने साटन के टोकरे में गोल होकर सोई रही।

“बेचारी,” माँ ने कहा, “शायद उसे अपने घर की याद आ रही है।”

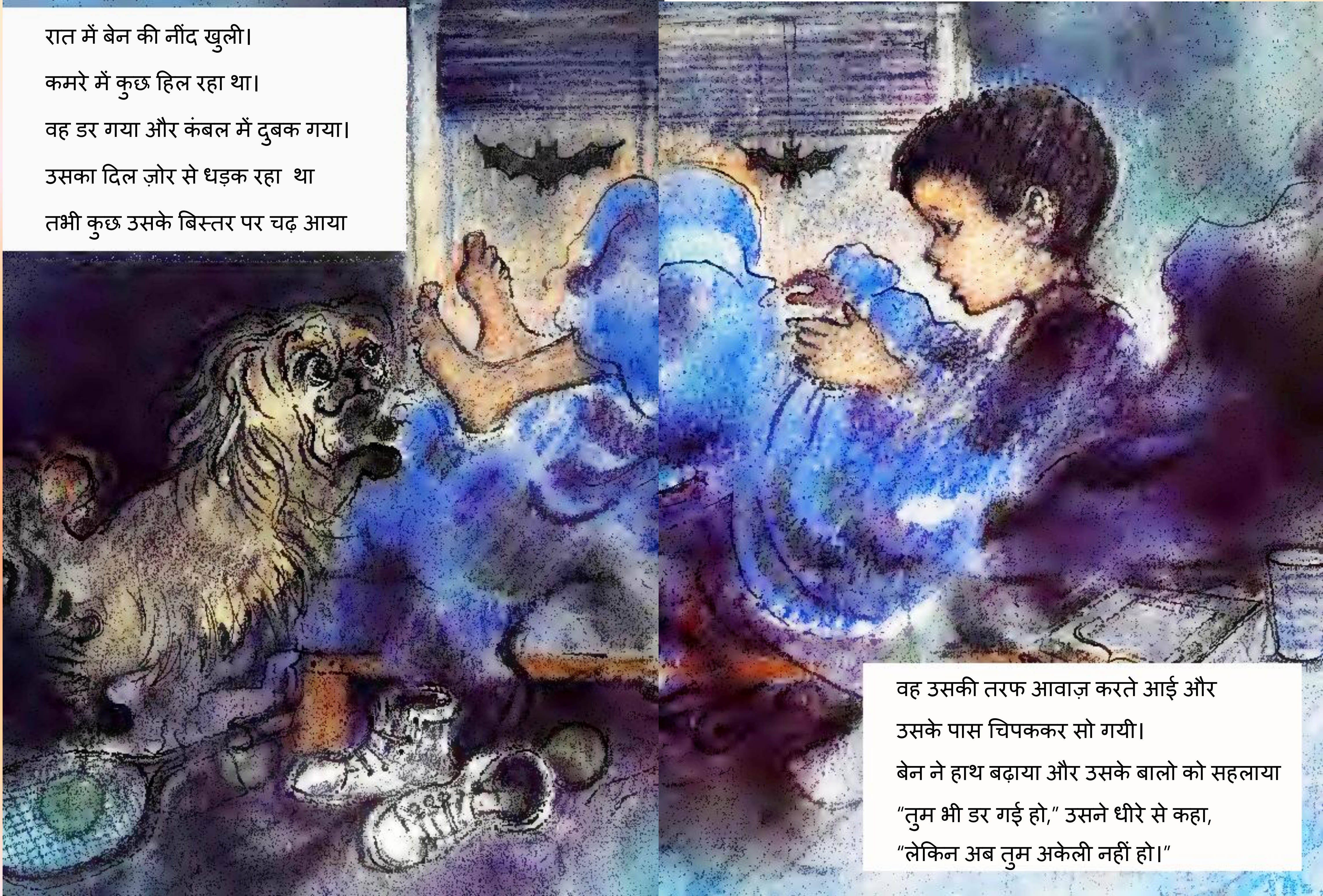




“सिली कुत्ता!," बेन बोला।

टिंग-ए-लिंग ने आंख खोली, बेन कि आवाज़ सुनकर

और जैसे ही बेन वहां से गया वो फिर गुढी मुढ़ी हो के सो गयी।



रात में बेन की नींद खुली।

कमरे में कुछ हिल रहा था।

वह डर गया और कंबल में दुबक गया।

उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था

तभी कुछ उसके बिस्तर पर चढ़ आया

वह उसकी तरफ आवाज़ करते आई और

उसके पास चिपककर सो गयी।

बेन ने हाथ बढ़ाया और उसके बालो को सहलाया

“तुम भी डर गई हो,” उसने धीरे से कहा,

“लेकिन अब तुम अकेली नहीं हो।”

अगले दिन स्कूल से लौटकर बेन ने देखा कि

टिंग-ए-लिंग दरवाजे पर उसका इंतज़ार कर रही थी।

वह उछलकर उसकी ओर आई और खुश होकर भौंकी।

"शायद अगर तुम खिलाओ तो वह खा ले," माँ ने कहा।



बेन ने खाना उसके कटोरे में डाला और पुकारा, "यह लो, खाओ!"

वह तुरंत आ गई और उसने खाना खा लिया।

"शायद मैं इसे प्रिंसेस कहूँ," बेन ने कहा।

प्रिंसेस की पूँछ खुशी से हिलने लगी।



बेन प्रिंसेस की रस्सी पकड़कर बाज़ार गया।

वह फुर्ती से चल रही थी।



रास्ते में बेन का दोस्त टॉम मिला

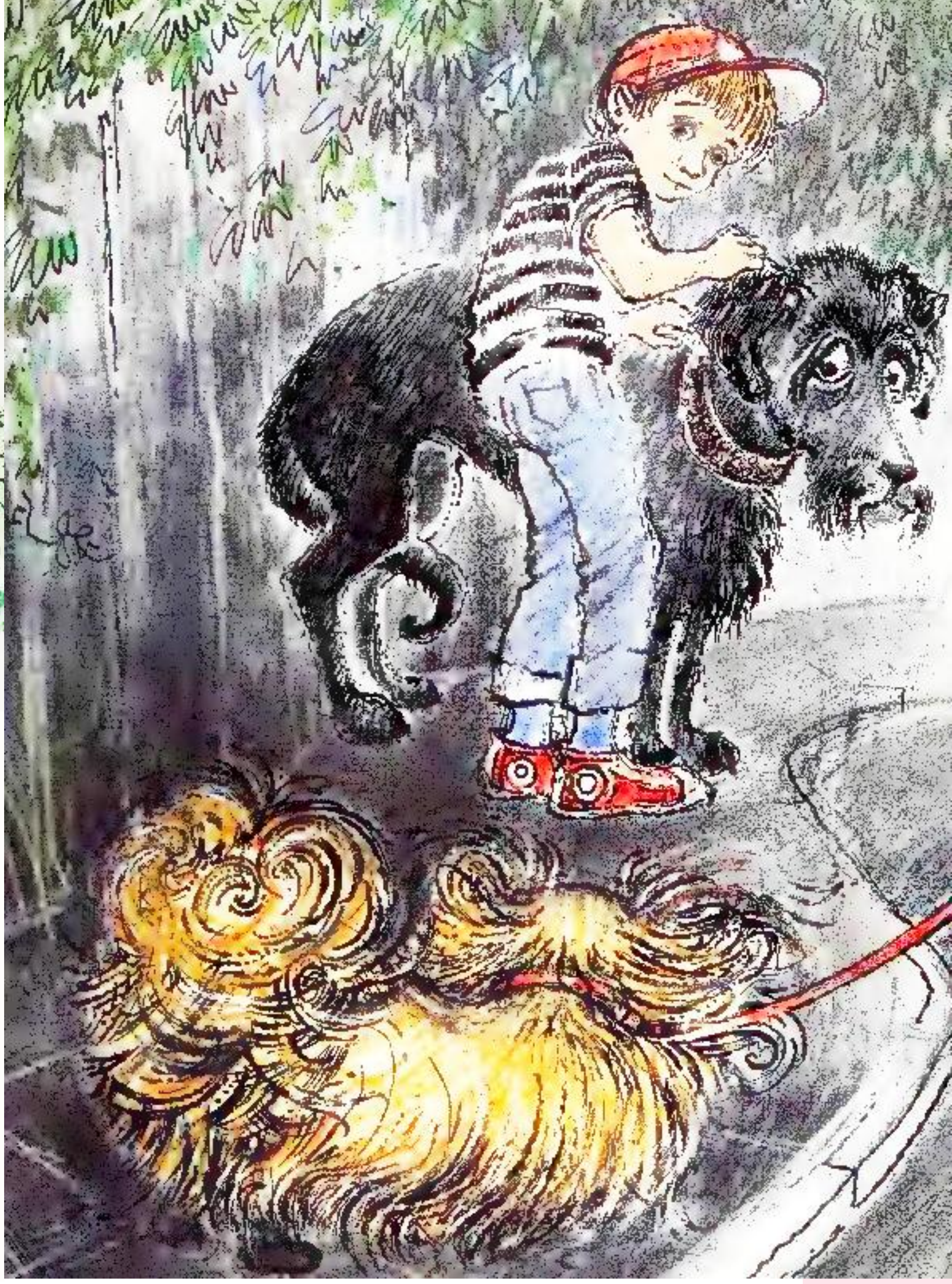
जिसके पास एक बड़ा काला कुत्ता था।

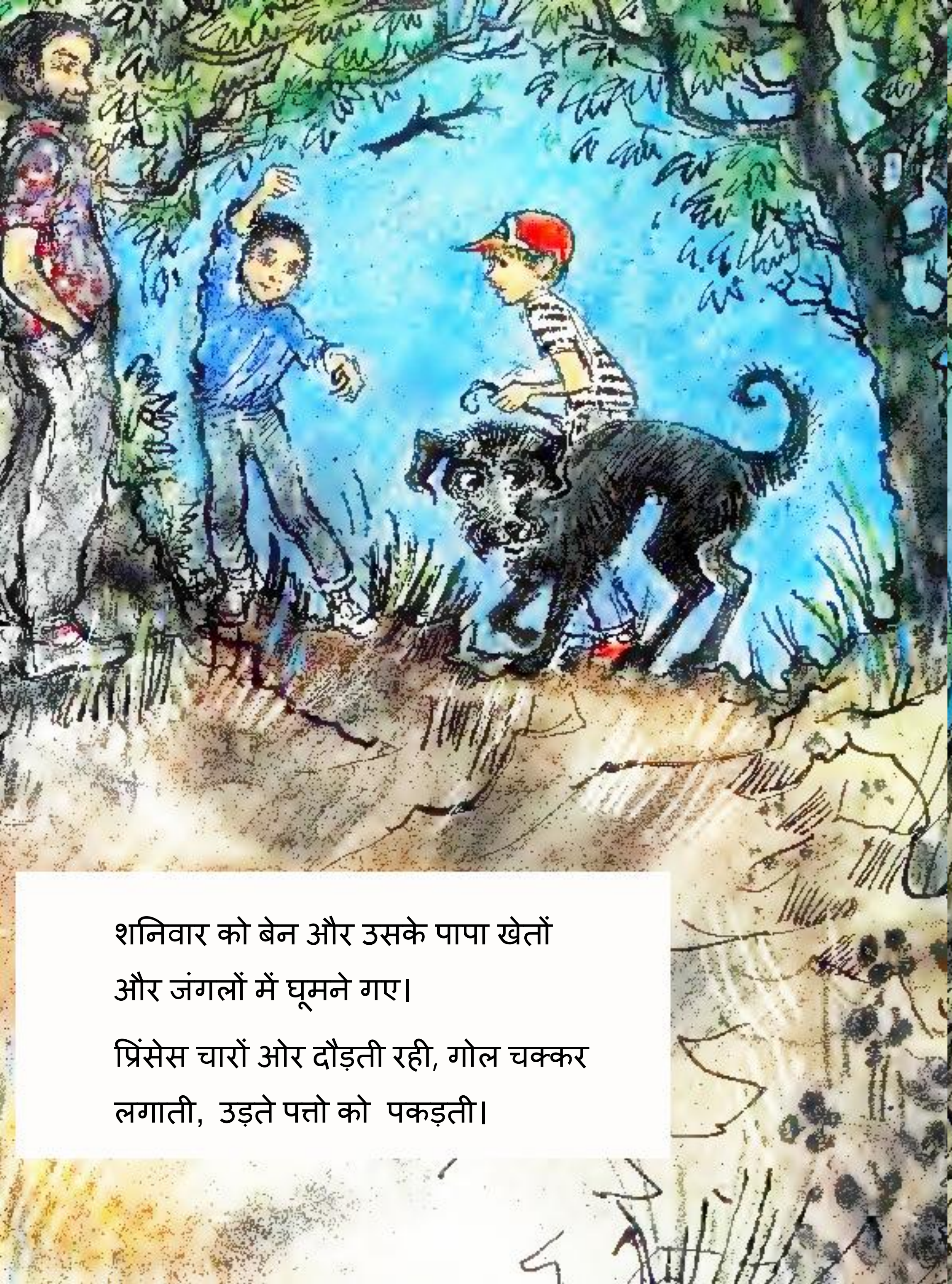
टॉम बोला, “तुम्हारा कितना मूर्ख छोटा कुत्ता है!”

काला कुत्ता प्रिंसेस के पास आया, लेकिन प्रिंसेस भौंकी

और उसका गला फूल शेर की तरह गया।

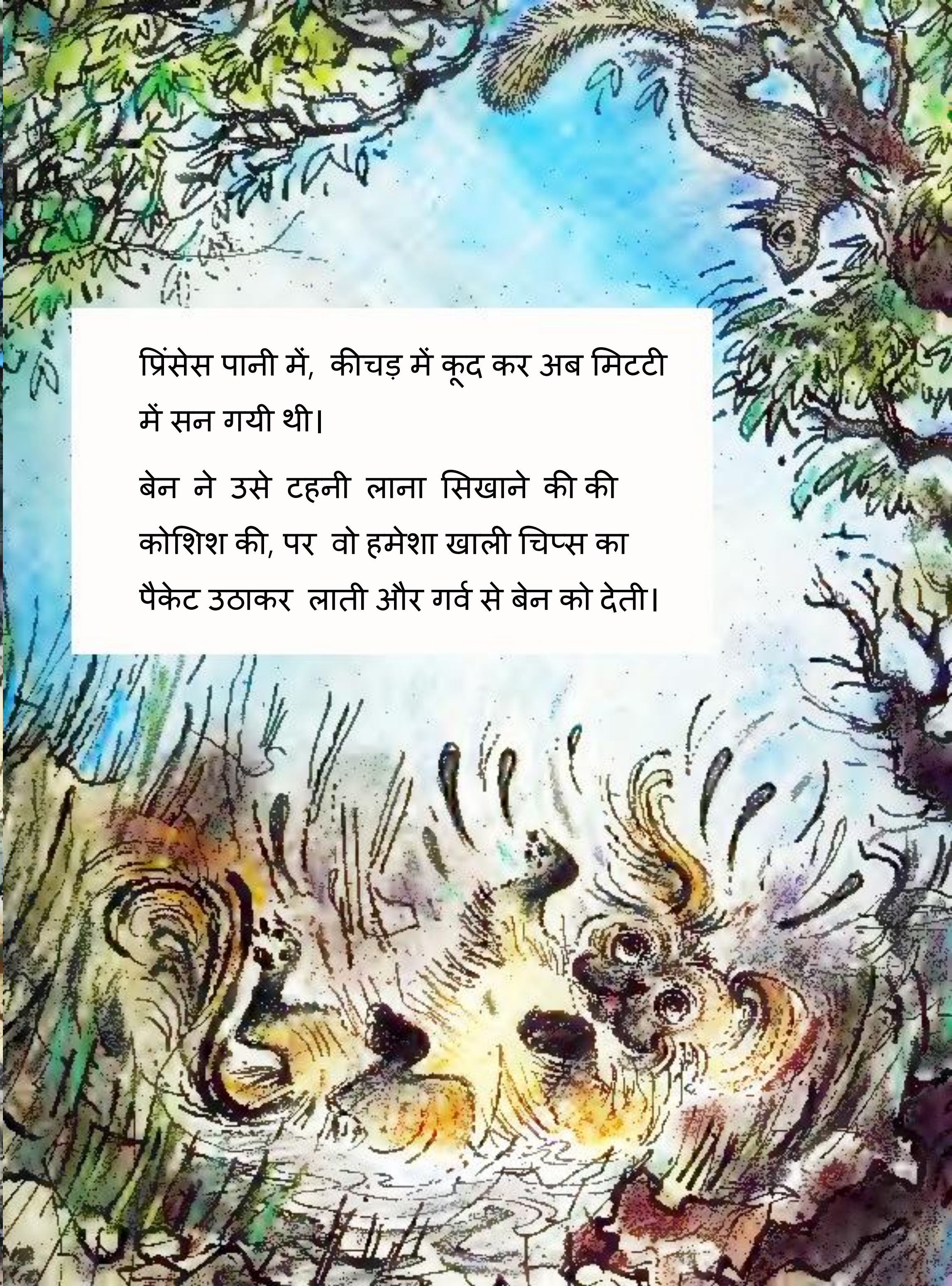
उसे देख काला कुत्ता डरकर पीछे हट गया।





शनिवार को बेन और उसके पापा खेतों और जंगलों में घूमने गए।

प्रिंसेस चारों ओर दौड़ती रही, गोल चक्कर लगाती, उड़ते पत्तो को पकड़ती।



प्रिंसेस पानी में, कीचड़ में कूद कर अब मिटटी में सन गयी थी।

बेन ने उसे टहनी लाना सिखाने की की कोशिश की, पर वो हमेशा खाली चिप्स का पैकेट उठाकर लाती और गर्व से बेन को देती।



घर लौटने पर माँ बोलीं, “यह कैसी लग रही है! मिसेज एनराइट तो इसे पहचान भी नहीं पाएंगी।”

प्रिंसेस मिट्टी से सनी थी और सिकुड़ी हुई लग रही थी।

“अब दोनों को नहाना होगा,” माँ ने कहा और प्रिंसेस को रसोई के सिंक में डाल दिया।

प्रिंसेस मिटटी में लिपटी हुई थी उसके गीले बाल उससे चिपके हुए थे।

“यह तो बिलकुल मेरे जैसी लग रही है,” बेन बोला, जो कि खुद भी मिट्टी में सना हुआ था।

चलो, दोनों नहाने जाओ, माँ बोली, और उन्होंने प्रिंसेस को उठाकर सिंक में डाल दिया



कुछ दिन बाद मिसेज एनराइट का पोस्टकार्ड आया — वे हॉस्पिटल से घर लौट रही थीं।

माँ बोलीं, "हमें उन्हें फोन करके बताना होगा कि कब टिंग-ए-लिंग लौटाएँ।"

बेन घबरा गया — "लेकिन अब प्रिंसेस मेरी है! वह बूढ़ी औरत के पास नहीं रहना चाहती। वह हमारे साथ रहना चाहती है!"

"मै जानता हूँ वह मेरे साथ रहना चाहती हैं।"

माँ ने कहा, "टिंग-ए-लिंग मिसेज एनराइट की कुतिया है। हम तुम्हारे लिए कोई दूसरा कुत्ता ढूँढेंगे।"







पर बेन को कोई बड़ा कुत्ता नहीं चाहिए था।

जो हवा की तरह तेज दौड़ता हो

उसको तो अब छोटा कुत्ता ही चाहिए था।

उसे वही छोटी प्रिंसेस चाहिए थी जो उसकी गोद में समा सके।

स्कूल में भी उसका मन नहीं लगा।

आज उसे प्रिंसेस को वापस जो देना था।



जब वे मिसेज एनराइट के घर पहुँचे, तो प्रिंसेस उन्हें देखकर खुश हुई

बेन को प्रिंसेस को खुश देख कर जलन हो रही थी।

लेकिन बूढ़ी औरत उदास लग रही थी।

उन्होंने कहा कि उन्हें अब एक ऐसे घर में रहना होगा

जहाँ पालतू जानवर नहीं रख सकते।

"मैं अकेली नहीं रह सकती, पर टिंग का क्या करूँ?" उन्होंने कहा।



"आप उसे उसे मुझे दे दीजिए," बेन बोला, "हम उसे दुनिया का सबसे अच्छा घर देंगे।"

टिंग-ए-लिंग ने भौंककर जैसे कहा, "हाँ, यही ठीक है।"

अब प्रिंसेस की बास्केट बेन के कमरे में थी ।

रात में वह उसे धीरे से खर्राटे लेते सुनता।

बेन मुस्कुराकर सोचता, "प्रिंसेस वैसी ही कुतिया है

जैसी मैं हमेशा चाहता था — जो मुझसे प्यार करती है।"

